



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 86] नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 23, 1991/बंसाख 3, 1913
No. 86] NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 23, 1991/VAISAKHA 3, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 145—आई टी सी (पी एन)/90-93

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1991

विषय :—आयात-नियति नीति, 1990-93 (खण्ड-1)।

मिसिल सं. 8/7/91—ई पी सी.—वाणिज्य मंत्रालय का सार्वजनिक सूचना सं. 1-
आई टी सी (पी एन)/90-93, दिनांक 30 मार्च, 1990 के अंतर्गत प्रकाशित यथा संशोधित

1114GI/91

(1)

(1) आयात और निर्यात नीति 1990-93 (खण्ड-1) और वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 2-आई टी सी (पीएन)/90-93, दिनांक 30 मार्च, 1990 के अंतर्गत प्रकाशित ग्यासंशोधित (2) प्रक्रिया पुस्तक, 1990-93 (खण्ड-1) की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

नीति/प्रक्रियाओं में उल्लिखित अन्य किसी बात के होते हुए भी भविष्य में समस्त आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस निर्यात आय प्राप्त होने के बाद ही जारी किए जाएंगे। आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस जारी करने के लिए आवेदन पत्र भेजते समय निर्यातक को विद्यमान निर्यात दस्तावेजों के अतिरिक्त विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत डीलर (अर्थात् बैंक) जिसके माध्यम से उसने निर्यात दस्तावेजों की व्यवस्था की थी अथवा बिल आवेदक करने के लिए भेजे थे, उससे इस आशय का एक प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करना होगा कि संबंधित निर्यात दस्तावेजों के सहे निर्यात आय प्राप्त की जा चुकी है। उन आवेदनों के सम्बन्ध में जहाँ निर्यात एक से अधिक बीजक द्वारा शामिल किए गए हों और निर्यात आय केवल कुछ बीजकों के लिए ही प्राप्त की गई हो, आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस केवल प्राप्त की गई निर्यात आय तक ही जारी किए जाएंगे। आरई पी लाइसेंसों के मूल्य को भी शेष बीजकों की निर्यात आय के प्राप्त हो जाने पर तत्पश्चात् बढ़ा दिया जाएगा।

3. यह निर्णय तत्काल लागू हो जाएगा तथा लाइसेंसिंग प्राधिकारियों के पास लम्बित पड़े हुए आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस संबंधी आवेदन-पत्रों पर भी लागू होगा।

4. यह सार्वजनिक सूचना लोकहित में जारी की गई है।

ह./-

(डी. आर. मेहता)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 145-ITC(PN)/90-93

New Delhi, the 23rd April, 1991

Subject.—Import & Export Policy, 1990-93 (Vol. I).

File No. 6/7/91-EPC.—Attention is invited to (i) Import and Export Policy, 1990-93 (Vol. I), published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/90-93 dated 30th March, 1990, as amended and (ii)

Hand-Book of Procedures, 1990-93 (Vol. I), published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITC(PN)90-93 dated 30th March, 1990, as amended.

2. Notwithstanding anything contained in the policy/procedures, henceforth, all the Import Replenishment licences shall be issued only after realisation of export proceeds. While submitting his application for issue of Import Replenishment licences, an exporter, in addition to the existing prescribed documents, shall also furnish a certificate from the authorised dealer in foreign exchange (i.e. the bank) through whom the export documents were negotiated or sent for collection of bills etc., to the effect that the export proceeds against the export documents in question have been realised. In respect of applications where exports are covered by more than one invoice and export proceeds have been realised only for some of the invoices, the import replenishment licence will be issued only to the extent export proceeds have been realised. The value of the REP licence will be correspondingly enhanced as and when the export proceeds for the remaining invoices have been fully realised.

3. This decision shall come into force with immediate effect and will also apply to the Import Replenishment licence applications pending with the licensing authorities.

4. The Public Notice has been issued in public interest.

Sd/-
D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports.

